

चतुर्थ सेमेस्टर				
क्र० सं०	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
4	गायन - रागों और तालों का अध्ययन IV	एम०पी०ए०एम०वी० - 606	100	2
	इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (शारंगदेव, बालकृष्ण बुआ इचलकरंजीकर, पं० जसराज, मल्लिकार्जुन मंसूर, केसरबाई केरकर, आचार्य बृहस्पति, पं० कुमार गन्धर्व व किशोरी अमोणकर) का जीवन परिचय व भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान।			
	इकाई 3 - संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों (संगीत रत्नाकर, चतुर्दंडिप्रकाशिका, नारदीय शिक्षा, संगीत मकरंद, संगीत चिंतामणि, संगीतांजली व संगीत पारिजात) का सामान्य अध्ययन।			
	इकाई 4 - संगीत संबंधी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम के रागों की बन्दिशों (विलम्बित खयाल, मध्यलय खयाल, तान, तराना आदि) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुपद एवं धमार को लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय व तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			
नोट - विद्यार्थी चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए रागों व तालों के अनुरूप अध्ययन करें।				
चतुर्थ सेमेस्टर				
राग – आसावरी-कोमल ऋषभ, सुल्तानी, ललित, बिलासखानी तोड़ी, श्री व पूरियाधनाश्री ताल - झुमरा, सुलताल, गजझम्पा ताल व 11 मात्रा की ताल				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -				
1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ० प्र० । 2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।				
3. डॉ० लक्ष्मीदनारायण गर्ग, राग विशारद (दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ० प्र० । 4. पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ० प्र० ।				
5. श्री विनायक राव पटवर्धन, राग विज्ञान (दोनों भाग)।				